Diamond Comics
D-1507
Rs. 15.00

प्राण

चाचा चौधरी और पुछलतारा

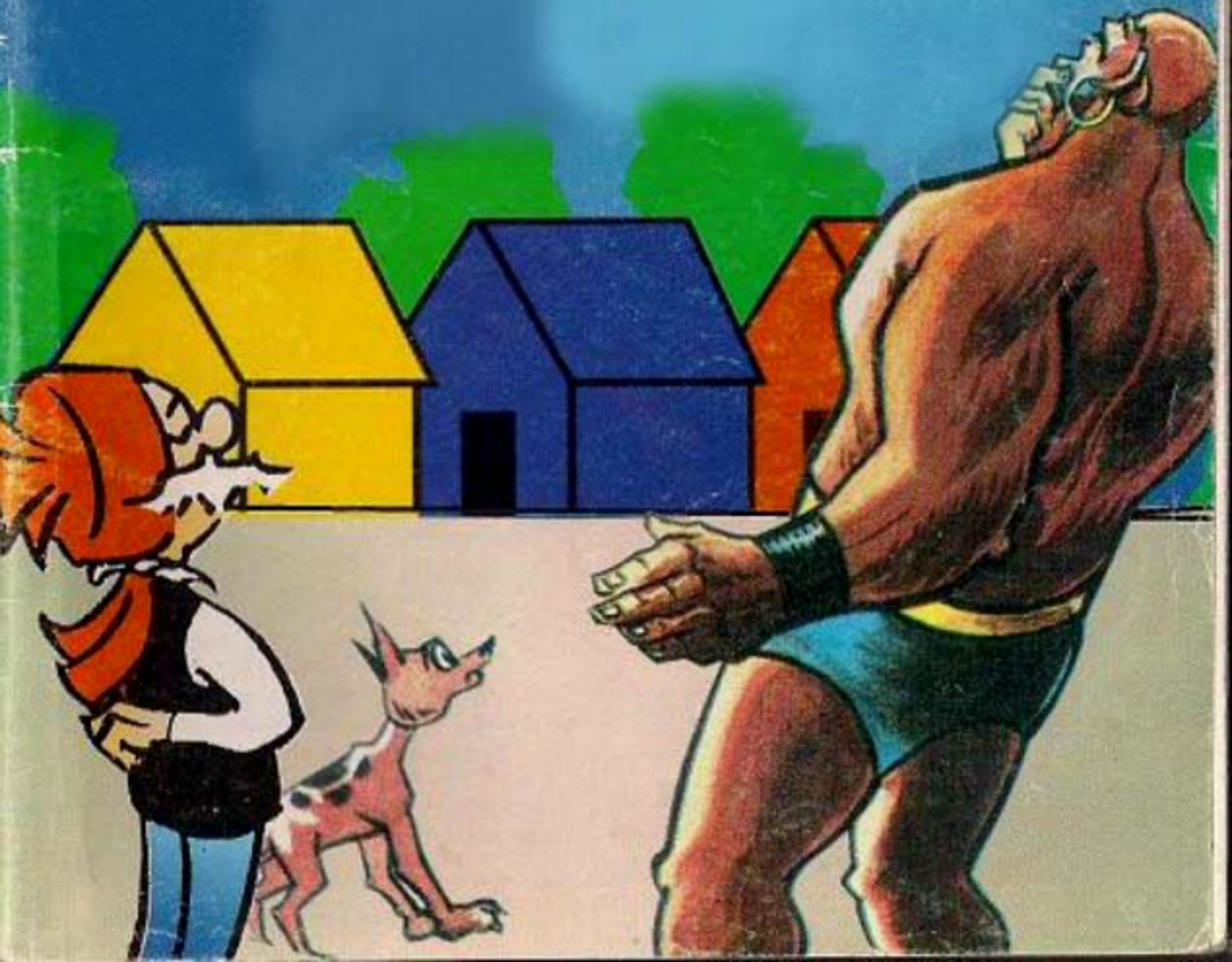

VISIT…

"मम्मी... थोड़ा और दूध मिलेगा ?"

नया, स्वाद भरा कैडबरी डिलाइट. इसमें है कैडबरी चॉकलेट का वो स्वाद, जो मुँह में पानी ले आए. एक ग्लास गर्म या ठंडे दूध में बस दो चम्मच डिलाइट मिलाइये, और फ़िर देखिये कमाल ! आपका बच्चा दूध पीने लगेगा.... माँग के !

हाँ, मैं दूध को मज़ेदार बनाना चाहती हूँ.

इस कूपन को दिखा कर 250 ग्राम के कैडबरी डिलाइट पर 10% छूट पाइये.
हाँ, मैं दूध को मज़ेदार बनाना चाहती हूँ.
Cadbury Delite

नाम: _____

पता: _____

_____

प्रिय विक्रेता, कैडबरी डिलाइट के एक जार की खरीददारी पर ग्राहक को कृपया 6 रुपए की छूट दीजिये. कूपन पूरा भरा होना चाहिये. इस कूपन को कैडबरी डिस्ट्रीब्यूटर को देने पर आपको 6 रुपए वापस किये जाएंगे. और 50 पैसे 'हैंडलिंग चार्जेस' के अलग से मिलेंगे.

ऑफ़र सिर्फ़ कुछ शहरों में, और 31 दिसंबर तक सीमित.
ऑफ़र माल उपलब्ध होने पर निर्भर.

(विक्रेता से कैडबरी डिलाइट की खरीददारी की जाँच करने का अधिकार कैडबरी (इं.) लि. के पास सुरक्षित.)

पुच्छलतारा

बैनूजी ! यह पचास पैसे का सिक्का पकड़. कहां चल दिए ?

अखबार खरीदने. बिना अखबार पढ़े मुझे खाना हज़म नहीं होता और दिनचर्या में कुछ कमी महसूस होती है.

पर अखबार नब्बे पैसे का आता है. आप कम पैसे ले कर घर से क्यों निकले ?

मैं नब्बे पैसे वाला अखबार पचास पैसे में ही खरीदता हूं. मैं किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढता हूं जिसने अखबार खरीदा हो. पढ़ने के बाद अखबार उसके लिए रद्दी हो जाता है. अतः वह मुझे पचास पैसे में बेचने को तैयार हो जाता है.

चाचाजी ! एक मिनट ठहरिए. मैं आपका अखबार खरीदना चाहता हूं.

लेकिन बैनूजी ! मैं तो इससे सिगड़ी सुलगाने जा रहा था.

अरे साहब ! सिगड़ी आप सूखे घासफूस से जला लेना. आप पैसे कमाइए. इसके मैं आपको पूरे पचास पैसे देता हूं.

धन्यवाद !

बैनूजी! आपने अखबार अभी पढ़ा नहीं और आग लगा दी ?

हां, क्योंकि यह सालभर पुराना है.

दूसरे दिन.

चाचाजी ! आजकी क्या खबर है ?

भारत और दूसरे निर्गुट देशों ने अमरीका और रूस से परमाणु हथियारों की होड़ बंद करने की अपील की है.

पुच्छल तारे की गतिविधियों में वृद्धि. उसने एक और बैंक को लूट लिया और कैशियर को गोली मार दी.

क्या आप हेली के पुच्छल तारे की बात कर रहे हैं जिसे हमने पिछले दिनों आसमान में देखा था ?

नहीं साबू ! यह तारा जमीन का है और बड़ा खूंखार है. निर्दोष व्यक्तियों की हत्या करना और फिर उनका माल लूट लेना, यह उसका काम है .

एक बार पुच्छल तारे ने एक महिला के पैर इसलिए काट दिए क्योंकि महिला की पायल पैर से उतर नहीं रही थीं .

ऐसे नीच आदमी को फांसी पर लटका देना चाहिए .

फांसी पर तब लटकाएंगे ना, जब वह पकड़ा जाएगा ?

फाइनेंस मिनिस्ट्री में...

ये पेटियां करेंसी नोटों से भरी हैं. इन्हें ट्रेजरी में पहुंचाना है, अतः भारी सिक्योरिटी चाहिए. पुच्छल तारे ने बड़ा परेशान कर रखा है.

सर, आप निश्चिंत रहिए. वैन के साथ तीन कमांडो जा रहे हैं जिन्हें इसी काम की ट्रेनिंग दी गई है.

वैरी गुड.

वैन में पेटियां जल्दी रखो. ट्रेजरी बंद होने से पहले इन्हें वहां पहुंचना है.

सॉब! सारी पेटियां वैन में रख दी गई हैं.

और सरकारी वैन चलदी.

बहादुर! चौकन्ना रहना.

मैं चारोंतरफ निगाह रखे हूं.

http://azamworld.blogspot.com

रास्ते में कहीं ठहर कर चाय पी लें. सुबह से मैंने नाश्ता नहीं किया.

जब तक वैन ट्रेजरी नहीं पहुंचती, रास्ते में कहीं नहीं रुक सकते. यह आर्डर है.

अगर पुच्चल तारा आया भी तो देखते ही उसे गोली मार दूंगा.

अभी और कितना रास्ता है?

हम आधे रास्ते में पहुंचे हैं.

तभी...

© PRAN'S FEATURES

!!

??

मुकाबले के लिए पोज़ीशन लो !

तड़ ट ट ट !!

दोनों वहीं ढेर हो गए.

और तीसरे को लटका दिया गया.

हेल पुच्छल तारा! ट्रेज़री को जाती हुई वैन लूट ली.

और वैन के गार्ड?

उन्हें नर्क की यात्रा पर भेज दिया.

शाबाश! नम्बर चार को भेज दो!

नं० 4.

हेल पुच्छल तारा! मेरे लिए क्या हुक्म है?

नम्बर चार! म्यूज़ियम में हुमायूं बादशाह का हीरों से जड़ा ताज़ रखा है...

मगर... मगर... उस म्यूज़ियम में सिक्योरिटी बड़ी सख्त है.

सिक्योरिटी को भेदना तुम्हारा काम है.

मुझे वह ताज-चाहिए, जिसे तुम लाओगे.

इस भवन में देश की ऐतेहासिक और बहुमूल्य वस्तुएं रखी हैं, अतः चारों तरफ मजबूत सिक्योरिटी होना अति आवश्यक है.

म्यूज़ियम

एक कार उसी म्यूज़ियम की तरफ तेज दौड़ती हुई जा रही थी.

नम्बर चार! पुच्छल तारे ने अब तक हमें जो काम सौंपे हैं, यह उनमें सबसे अधिक कठिन है.

कुछ भी हो, इस टॉस्क को कामयाब बनाना हमारी जिम्मेदारी है.

रुको! इस कार में क्या है? तलाशी देनी होगी!

सिवाय इस गोले के हमारे पास कुछ नहीं.

ओह! जहरीला धुआं!

मेरा दम घुट रहा है.

धड़ाक

यही मौका है. आओ!

धुआं छंट गया. अंदर आओ.

हुमायूं का ताज़! सचमुच बड़ा खूबसूरत है. यह जरूर बहुत कीमती होगा.

अब यह ताज़ हमारा आका पुच्छल तारा पहनेगा.

चाचा और साबू का उधर से गुजरना हुआ .

इस बड़ी इमारत को क्या कहते हैं ?

यह म्यूज़ियम है . यहां की ऐतेहासिक चीजें देखने चलोगे ?

कुछ तो गेट पर ही दिखाई दे रहा है ...

पुच्चल तारा इस ताज़ को देखने के लिए बेताब हो रहा होगा . जल्दी से कार भगा लो !

साबू ! वे म्यूज़ियम की बेशकीमती वस्तु ले जा रहे हैं . उन लुटेरों को रोको !

बैंच पर रखी यह पत्थर की सिल काफी भारी है .

साबू ने अपनी पूरी ताकत से वह पत्थर की सिल उठा फेंकी .

http://azamworld.blogspot.com

धड़ाक!

ओह!

यह कैसा वज्रपात?

हेल पुच्छल तारा! इक लाल पगड़ी वाले और उसके लम्बे साथी ने हमारे सारे किए कराए पर पानी फेर दिया.

वे दोनों जरूर चाचा चौधरी और साबू होंगे. लेकिन उनसे मैं बाद में निपटूंगा. पहले तुम्हें देखता हूं.

नाकामयाब लौटने वालों की मेरे यहां इक ही सजा है – मौत!

ओह!

आइईई!!

नम्बर छह और नम्बर सात! चाचा चौधरी ने हमारा नुकसान किया है. मैं उसे यहां जल्द देखना चाहता हूं.

ऐसा ही होगा.

क्या चाचा चौधरी घर हैं?

नहीं! वह बाहर गए हैं और थोड़ी देर बाद वापस लौटेंगे.

तो ठीक है. तुम्हें हमारे साथ चलना होगा.

कुछ देर बाद चाचा चौधरी घर लौटा.

भागवान! आज खाने में क्या पकाया है?

हैं!... भागवान कहीं दिखाई नहीं दे रही?

चाचा चौधरी ने पुच्छल तारे द्वारा छोड़ी गई चिट्ठी मेज से उठा ली.

तुम्हारी पत्नी हमारे कब्जे में है. नीचे लिखे पते पर चले आओ...

साबू!... आओ!

भागवान! तुम ठीक ठाक तो हो ना ?

आओ, चाचा चौधरी ! मुझे पता था कि तुम जरूर आओगे .

तुमने हमारे काम में रुकावट डाली और मेरे आदमियों के हाथ-पैर तोड़ दिए. साधारणतयः इसकी सज़ा मौत होती है. लेकिन हमारे साथ मिल जाओ तो तुम्हें बख़्शा जा सकता है.

मेरा जवाब न है.

तो फिर मरने के लिए तैयार हो जाओ !

शायद तुम्हारी मौत हमारे हाथों ही लिखी थी

चलो, हटो मच्छरो!

कड़ाक !

धड़ाम!

तो यही हैं इन सबका सरदार— पुच्छलतारा!

मैं तुम्हें यहां से जिन्दा नहीं जाने दूंगा!

ओह!

अब तुम्हारा खेल खत्म हुआ!

यह तो मुझे पता था कि कमरे की दीवार के पीछे कोई व्यक्ति है, लेकिन यह बताओ कि तुम पुच्छलतारा क्यों बने?

"दर असल कुछ साल पहले तक मैं एक मामूली पाकेटमार था। लेकिन मेरे दिल में हमेशा यह इच्छा पनपती रही कि मैं कोई बड़ा काम करूं जिससे नाम हो और खूब पैसा आए ..."

"यही सोच कर मैंने पुच्छल तारा गिरोह बनाया. एक अदृश्य रहस्य बना रहने के लिए मैं अपने अनुयायियों को इस तरह से आदेश देता था कि वे समझें कि यह पुच्छल तारा बोल रहा है..."

"असल में जहां पुच्छल तारा है, वहां एक स्पीकर है और दीवार के पीछे से माइक्रोफोन पर मैं बोलता था. कमरे में टी.वी. कैमरे लगे थे जो वहां खड़े व्यक्ति की तस्वीरें मुझ तक भेजते थे..."

"तारे की पूंछ में एक छेद था. जिससे मैं नाराज होता, एक बिना आवाज की पिस्तौल से उस छेद द्वारा मैं उसे गोली मार देता."

बस... आगे का हाल तुम जानते ही हो.

साबू! इसे पुलिस हैडक्वार्टर्स ले चलो.

© PRAN'S FEATURES

बिग बदल और कहानी

माफिया डॉन गोगो.

मोलू! चाचा चौधरी ने हमारे गैंग के साथियों को जेल भिजवा दिया है. उसे रास्ते से हटाना जरूरी है.

चीफ़! मैं जाकर दुश्मन को नरक भेजता हूं.

चाचा जी! कहानी सुनाओ!

बहुत समय पहले की बात है. एक खूबसूरत राजकुमारी थी.

जिसके सुनहरी बाल थे....

काला देव उसे उठाकर ले गया....

राजकुमार वरुण को जब पता चला तो वह राजकुमारी को छुड़ाने निकला...

एक ही वार में उसका सिर कलम कर दूंगा.

हे राम! हे राम!

फुलाऊं क्या?

Big Babol

भागो!

तमाशा गोबरसिंह का

डाकू गोबरसिंह भांग के गिलास पर गिलास चढ़ा रहा है.

अरे साम्भा! आज तूने भांग में खूब बादाम डाले हैं. ला, एक गिलास और!

कई गिलास पीने के बाद.

हमें चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए. एक अदने से चाचा चौधरी ने हमारी नाक में दम किया हुआ है. उसकी वजह से हमारे कई साथी जेल में सड़ रहे हैं. आज मैं उस चूहे को पकड़ता हूं.

सरदार, चाचा चौधरी की अक्ल के आगे बड़े बड़ों ने घुटने टेक दिए.

खामोश! बंदूक के आगे अक्ल और आदमी दोनों झुक जाते हैं.

आओ, मेरे साथ!

उधर चाचा चौधरी के घर के पास.

चाचाजी, एक कल्चरल प्रोग्राम में फैंसी ड्रेस में भाग लेने के लिए मुझे आमंत्रित किया गया है. क्यों न मैं वहां चाचा चौधरी का भेष बना कर जाऊं?

अच्छा ख्याल है. मेरे जैसे कपड़े पहन लो और मूंछें लगा लो.

वह सारा इंतजाम मैंने कर लिया है.

ठहरो! उसी फैंसी ड्रेस के प्रोग्राम में मैं भी जा रहा हूं. मैंने भी आप जैसे कपड़े और मूंछों का इंतज़ाम कर लिया है.

अरे भाई, झगड़ते क्यों हो? तुम दोनों मेरा भेष बना कर चले जाओ.

चाचा चौधरी का घर करीब आ गया है. उसे चारों तरफ से घेर लेना.

चौधरी! बाहर निकलो, नहीं तो हम तुम्हारे घर को आग लगा देंगे!

क्या आपने मुझे याद किया?

हैं???... चौधरी का कद इतना छोटा कैसे हो गया?

या आपने मुझे याद किया?

मैं कहीं सपना तो नहीं देख रहा?

अरे सांभा! देख मुझे क्या हो गया है? कभी चौधरी छोटा, कभी पहाड़ जितना बड़ा दिखाई देता है.

तभी पीछे से.

हाय! मर गया!

ताड़

टिंकू मास्टर! जाओ, पुलिस को फोन करो!

हैलो, पुलिस?... डाकू गोबरसिंह और उसके साथी हमारे मेहमान हैं. आइए, और इन्हें ले जाइए.

चाचाजी, कहां हैं डाकू गोबरसिंह?

चाचाजी मैं नहीं, उधर हैं चाचाजी.

चलो!

हा... हा...! सजा आ गया. अब मैं चलूं फैंसी ड्रेस में भाग लेने.

मैं भी साबू!

ला भगवान! एक कप गरमा गरम चाय लाओ.

साबू का डबल

एक दिन एक अखाड़े के सारे पहलवान इकट्ठे हुए.

भाइयो! केवल कसरत करने से कुछ नहीं होता. जब तक अच्छी खुराक न मिले, सब बेकार है.

मगर इतनी महंगाई में सूखी रोटी नसीब नहीं होती, तरमाल कहां से मिलेगा?

एक तरकीब है. हम साबू के कपड़े पहन कर चाचा चौधरी के घर जाते हैं. वह हमें साबू समझ कर जो खुराक उसे देता है, हमें दे देगा. हम सब वह चट कर जाएंगे.

लेकिन हम साबू जितनी लंबाई कहां से लाएंगे!

अरे हम दस पहलवान हैं. एक के ऊपर एक खड़े हो जाएं तो साबू जितने लंबे हो जाएंगे.

हा-हा---! ठीक है. यह साबू का चेहरा मैं ले आया हूं. इसे पहन कर हम साबू जैसे लगेंगे.

ठीक है, अब पहन लो कपड़े!

अरे पहलवान साबू बन कर चाचा चौधरी के घर को चल देते हैं.

चाची, मुझे बहुत भूख लगी है जल्दी से खाना दो.

वह एक मन बादामों का हलुआ और पूड़ियां रखी हैं. खा लो.

चाचा और चाची का मुंह उधर है. लो दोस्तो, खाओ तर माल. शुद्ध देसी घी में बना हलुआ और पूड़ी.

तभी बाहर से असली साबू लौट आता है.

चाची! आज बड़ा काम किया. इसलिए बड़ी भूख लगी है. जल्दी से खाना दो.

अरे साबू! तुझे मैंने अभी तो हलुआ पूड़ी दिए थे?

हे राम! एक इधर और एक उधर, दो-दो साबू! कहीं मैं सपना तो नहीं देख रही!

मैं असली साबू हूं. तुम नकली हो!

नहीं! मैं असली हूं. तुम नकली हो.

मैं असली हूं.

मैं हूं असली!

ठहरो! अभी फैसला हो जाता है... तुम इस साबू को उठाकर इस नदी में फेंक दो!

ओह! काफी जोर लगाया मगर यह उठता ही नहीं.

अब दूसरा साबू पहले को उठा कर नदी में फेंकेगा.

जय बजरंग बली!

और यह गया वह नदी में!

बचाओ, मैं डूब रहा हूं!

बचाओ!

हा-हा! तुमने जो धोखा देना चाहा था, कामयाब नहीं हुआ. अब सब यहीं गोते खाओ!

पेट्रोल टैंकर

भागवान, मैं जंगल में लकड़ी काटने जा रहा हूं.

अच्छी बात है.

अरे, यहां तो बहुत सारे पेड़ हैं. किसको काट और किसको न काटूं?

यहपास में ही सड़क के किनारे पर है. इसीको ही काटना चाहिए.

ठक! ठक!

पास ही आहर के मोड़ पर.

मकड़ू! वह पेट्रोल टैंकर खड़ा है और ड्राइवर उतरकर चाय पीने जा रहा है.

फिर क्या सोचते हो? ले उड़ो उस को!

BOOKS FOR EVERY STUDENT

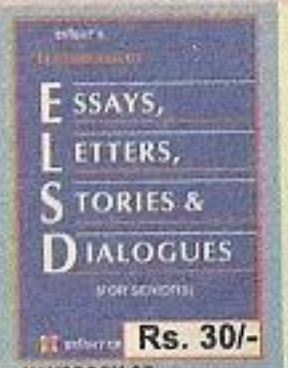

HANDBOOK OF ESSAYS, LETTERS, STORIES AND DIALOGUES

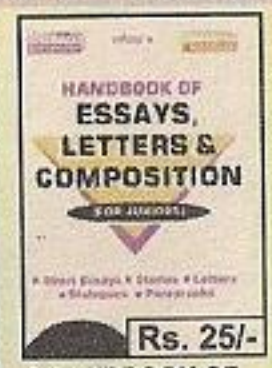

A HANDBOOK OF ESSAYS, LETTERS AND COMPOSITION

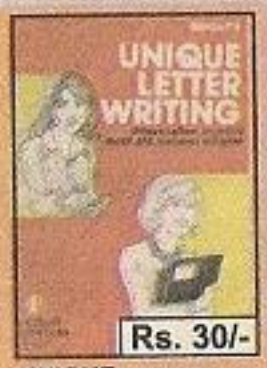

UNIQUE LETTER WRITING

JUNIOR GK QUIZ

GENERAL KNOWLEDGE UPDATE

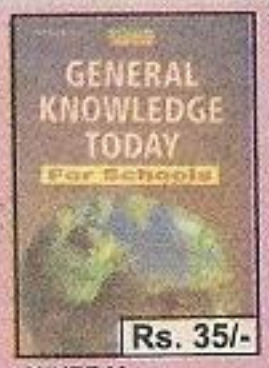

GENERAL KNOWLEDGE TODAY

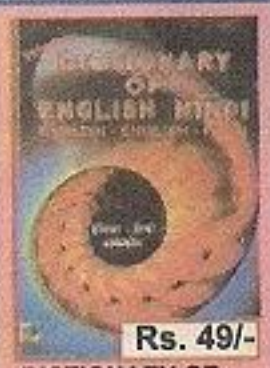

DICTIONARY OF ENGLISH–HINDI

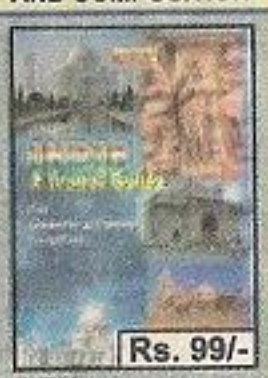

INDIA A TRAVEL GUIDE

WORLD'S GREAT SCIENTISTS

HOW THINGS WORK

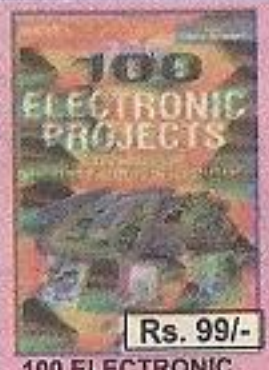

100 ELECTRONIC PROJECTS

COMPUTER FOR BEGINNERS

For VPP Send Rs. 25/- in advance by M.O./DD. for FREE Complete Catalogue write to:

BRIGHT CAREERS institute®

Publishers of INDIA'S LARGEST SELLING Competition Books

1525, Nai Sarak, Delhi-110 006, Phones: 3276554, 3282226 Fax : 011-3269227
e-mail: psbright@ndf.vsnl.net.in Visit us at www.brightcareers.com

USA BALLOONS

JUST FILL IT WITH FRESH AIR OR HELIUM GAS

Toy Story (ET01)

Congratulations Teddy Tum Tum (DC10, DC14)

Disney Babies Mickey (ED02)

Joy (DJ03)

Mickey Background Pattern (EM01)

MRP Rs. 90/- each SPECIAL OFFER : RS. 50/-*

Remit Amount by Money Order/Bank Draft in Favour of : **BRIGHT MEDIA IMPEX (P) LTD.**

2767, BRIGHT HOUSE, DARYA GANJ, NEW DELHI-110 002 (INDIA) PHONE : 91-11-3282226,3276554

*Offer valid for limited time.

Dealers Inquiries solicited

Cadbury
Delite
मक्त बहाने

http://azamworld.blogspot.com

सुहावनी सुबह . . .

राहुल स्कूल के लिए तैयार है . . .

उसकी प्यारी प्यारी मम्मी उसके लिए दूध ले के आती है . . .

राहुल को दूध बिल्कुल नहीं पसन्द था . . .

उसने शुरू कर दिए बहाने बनाने.

पता है मम्मी?
दूध पीने से बच्चों की
पूँछ निकल आती है...

और मम्मी...
कभी सुपरमैन को देखा
है दूध पीते हुए?

पर आज मम्मी के पास है राहुल के
बहानों का जवाब... यमी कैडबरी डिलाइट

मम्मी ने दूध में दो चम्मच डिलाइट मिला दिया.

हूँ...महक
तो अच्छी है...

गट गट गट

राहुल को कैडबरी डिलाइट वाला दूध
इतना अच्छा लगा कि वो गटागट पी गया.

क्यों?
है कोई और बहाना?

मम्मी पता है...दूध पीने से
अच्छे मार्क्स आते हैं.

अब दूध से दोस्ती कर लो!

पेट्रोल आजकल काफी महंगा है. बेचने पर अच्छे दाम मिल जाएंगे.

और गाड़ी के दाम अलग. वाह! आज तो अच्छा मौका हाथ लगा है.

नन्दू चाचा! एक अच्छी कड़क, सत्तर मील की रफ्तार वाली चाय बनाओ.

और थोड़ी देर बाद...

पेट्रोल

सर्राट

अर्रर्रर्र! मेरा टैंकर कौन लिए जा रहा है?

हा-हा! आज तो हमारी पांचों उंगलियां पेट्रोल में हैं!

और सिर टैंकर में.

पकड़ो! पकड़ो! चोर मेरा टैंकर लिए जा रहे हैं.

पेट्रोल

अब हमें कोई नहीं पकड़ सकता, चाहे वह जितना चिल्ला ले. आगे सारा जंगल है, सड़क साफ व सीधी है.

पेट्रोल

azamworld.blogspot.Com

पेड़ तो कट गया. पर यह तो सड़क की ओर गिर रहा है.

धड़ाम

एक जोर की ब्रेक लगी और टैंकर एक झटके के साथ रुक गया.

सड़क रुकी है.

चाचाजी, इस टैंकर को मत जाने देना. चोर इसे उड़ा कर ले जा रहे हैं!

पकड़ो

इसने पेड़ गिरा कर सड़क रोकी है. मैं इस बुड्ढे के दांत अभी तोड़ता हूं.

ठहरो! उसके हाथ में कुल्हाड़ी है. वह दोनों की गर्दन साफ कर देगा.

बोलो! मार खानी है या थाने चलना है?

थाने!

अड्डा भाई! तू अपना टैंकर ले कर जा. मैं जरा इन्हें थाने तक छोड़ आऊं.

पागल हाथी

रामपुर गांव में भगदड़ मची हुई है.

भागो! पागल हाथी आया!

जान बचाओ!

जंगल से निकल कर पागल हाथी जम्बो गांव के लोगों को रौंदने लगता है.

भागो!

बचाओ!

एक शिकारी आगे आता है.

फिक्र मत करो. मैं अभी इस पागल हाथी को गोलियों से भून दूंगा.

लेकिन इससे पहले कि वह गोली चलाता...

बचाओ!

दर्जनों लोगों को कुचलने के बाद जंबो जंगल में वापस चला जाता है.

अब क्या करें? पागल जंबो हर रोज की मुसीबत बन गया है. लोग घरों से बाहर नहीं निकलते.

मैं पास के शहर जाता हूं. वहां चाचा चौधरी रहता है. वही इसका कोई हल निकालेगा.

दूसरे दिन एक ग्रामवासी चाचा चौधरी के पास भागता हुआ आता है.

चाचाजी, हमें बचा लीजिए!

क्यों भाई क्या हुआ?

हमारे गांव रामपुर में एक पागल हाथी हर रोज जंगल से आकर दर्जनों आदमियों को कुचल जाता है और सारे मकानों को तोड़ फोड़ जाता है.

चल भाई साबू! तेरे लिए काम आ गया. रामपुर चलने को तैयार हो जा.

मैं तैयार हूं, चाचाजी.

चाचाजी! हाथी बड़ा खूंखार है. क्या आप अपने साथ कोई भाला, तलवार या बंदूक नहीं ले जाएंगे?

हा हा!... हम अपने पास कोई हथियार नहीं रखते.

रामपुर पहुंच कर.

गांववासियो! अब आपको जंबो कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएगा, यह मेरा वायदा है.

तभी.

भागो भागो! पागल जंबो आ गया.

साबू! जंबो को रोको!

जय बजरंग बली !

साबू को सामने देख कर पागल हाथी साबू पर टूट पड़ता है.

साबू हाथी के दांतों को पकड़ लेता है.

और पैंतरा बदल कर वह हाथी को जकड़ लेता है.

चाचाजी, कहो तो गला घोंट कर इसे मार डालूं ?

तभी एक व्यक्ति भागता हुआ आता है.

न...न... इसे मारना मत ! इसे हमारे हवाले कर दो.

आपकी तारीफ ?

मैं सर्कस का मैनेजर हूं. यदि आप इस हाथी को हमारे हवाले कर दें तो हम इसे ट्रेनिंग देकर सर्कस के शो में पेश किया करेंगे. इसके बदले आपको मैं एक लाख रुपया देने को तैयार हूं.

ठीक है. लाइए.

साबू हाथी को पिंजरे में बंद कर देता है.

यह लो, एक लाख का चैक.

शुक्रिया.

चौधरी साहब, आप इतनी बड़ी रकम का क्या करेंगे ?

मैं तो सीधा सादा आदमी हूं. इतने रुपए का क्या करूंगा ? मैं इसे प्रधानमंत्री के बाढ़-पीड़ित कोष में देने जा रहा हूं.

किल्लर जम्बू

भाई साहब, ये सारे लोग किधर भागे जा रहे हैं?

अमरीका का पहलवान किल्लर जम्बू आया है, उसकी कुश्तियां देखने.

होटल

आखिर इस किल्लर जम्बू में क्या खास बात है जो इतनी भीड़ उमड़ पड़ रही है?

वह दस फुट लम्बा, भारी भरकम शरीर वाला आदमीनुमा राक्षस है. उससे कुश्ती लड़ने के बाद विभिन्न देशों के पच्चीस पहलवान लंगड़े हो गए, तीस ने बाजू तुड़वा लिए, चालीस ने वहीं दम तोड़ दिया. अब वह विश्वविजय करने यहां तक आ पहुंचा है. कौन करेगा उसे चैलेंज?

अगर वह इतना खतरनाक है तो चलो, मैं भी उसकी कुश्तियां देखूंगा.

विश्व चैम्पियनशिप दंगल

अमरीका के पहलवान किल्लर जम्बू से मिलिए. इन्हें चैलेंज किया है भारत के दो पहलवानों – जोरावर सिंह और कीकर सिंह ने. कुश्ती में कोई नियम नहीं. यदि किसी का हाथ पैर टूट जाए या कोई मर जाए तो कोई जिम्मेवार न होगा.

बाप रे! यह पहलवान है या पहाड़ ?

कुश्ती जोरावर सिंह से.

हा--- हा! अब तक चालीस पहलवान जान से हाथ धो चुके हैं इक्तालिसवें तुम हो.

बचाओ!

थोड़ दो! मर जाएगा. रहम करो!

यह अन्याय है!

दूसरी कुश्ती कीकर सिंह से.

हो... हो! तो तुम भी भारत के मशहूर पहलवान हो!

बेचारा मर गया.

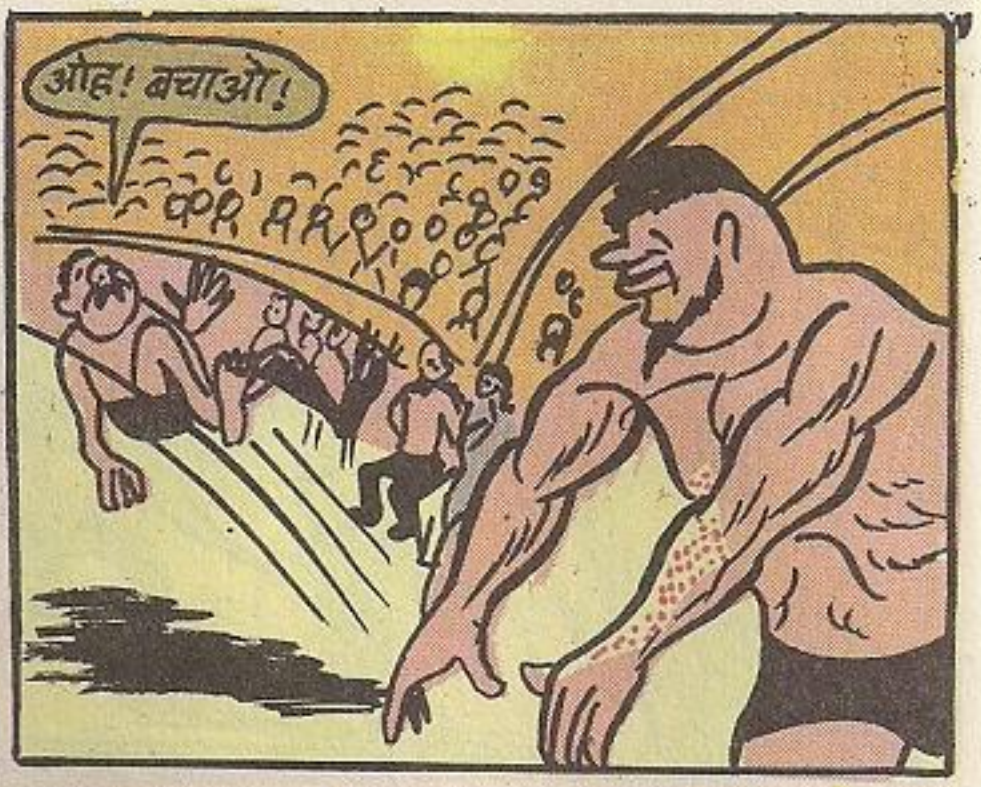
ओह! बचाओ!
GRRRRR

हे कोई और माई का लाल जो किल्लर से लड़ना चाहता हो?

मैं हूं.
अबे बैठ जा! क्यों अपनी मौत को बुला रहा है?

नहीं, मैं इस चूहे से नहीं लड़ूंगा. यह मेरा अपमान है.
किल्लर जम्बू, तुम्हें विश्व-चैम्पियन बनने के लिए हर चैलेंजर से लड़ना होगा.

रेफरी साहब, मुझे पांच मिनट का समय दिया जाए ताकि मैं घर से लंगोट बांधकर आ जाऊं.
तुम्हें दस मिनट दिए जाते हैं. हम मरने वाले की हर इच्छा पूरी करते हैं.

और चौधरी अपने मित्र रामू लुहार की फैक्टरी की तरफ दौड़ पड़ता है.
जम्बू को ताकत से नहीं, अक्ल से हराया जा सकता है.

रामू लुहार.
रामू! रेत्ती से जो तू लोहा रगड़ रहा है, मुझे उसका थोड़ा बुरादा चाहिए.

यह लीजिए ! आप जितना चाहो लोहे का बुरादा ले लो.

बस काफी है.

और कुश्ती शुरू होती है.

क्यों बे मच्छर! बोल मसल दूं तुझे ?

यही मौका है बुरादे का कमाल दिखाने का

एक हल्की सी फूंक से लोहे का बुरादा जम्बू की पीठ पर बिखर जाता है.

ओह! खुजली! मैं मरा!

खुजाते खुजाते खुद ही गिर गया !

ओह

मैं थक गया खुजाते खुजाते हार मानता हूं. हाय!

चाचा चौधरी जिन्दाबाद!

भारत की इज्जत रख ली चाचा ने.

मगरमच्छ

साबू को नहाए हुए बहुत दिन हो गए थे...

चाची, आज मैं स्नान करूंगा.

हमारे पास इतनी बड़ी बाल्टी और लौटा नहीं जिससे तू नहा सके. दूसरे तेरे नहाने में हजारों गैलन यानी खर्च होगा, उसका बिल कौन देगा? बेहतर यही होगा कि तू किसी तालाब या नदी में जा कर स्नान कर.

ठीक है. मैं पास के तालाब में जा कर नहा लेता हूं.

मैं भी तुम्हारे साथ चलता हूं. जरा खुली हवा में टहल लूंगा.

यह रहा तालाब. जब तक तुम नहाओ, मैं टहलता हूं.

वाह, चाचाजी ! तैरने में बड़ा मजा आ रहा है .

तभी.

ओह! यह क्या?

बचाओ ! मगरमच्छ ने मेरा पैर पकड़ लिया !

तू इतना ताकतवर होते हुए भी मगरमच्छ से पैर नहीं छुड़ा सकता?

पानी में मगरमच्छ की ताकत कई गुणा हो जाती है, आदमी की आधी रह जाती है. वह मुझे गहराई में खींचे ले जा रहा है. मुझे बचाओ !

अच्छा, मुझे एक तरकीब सूझी है .

चाचा पत्थर को धकेलने के लिए जोर लगाता है.

साबू ! एक तरफ हट जाना !

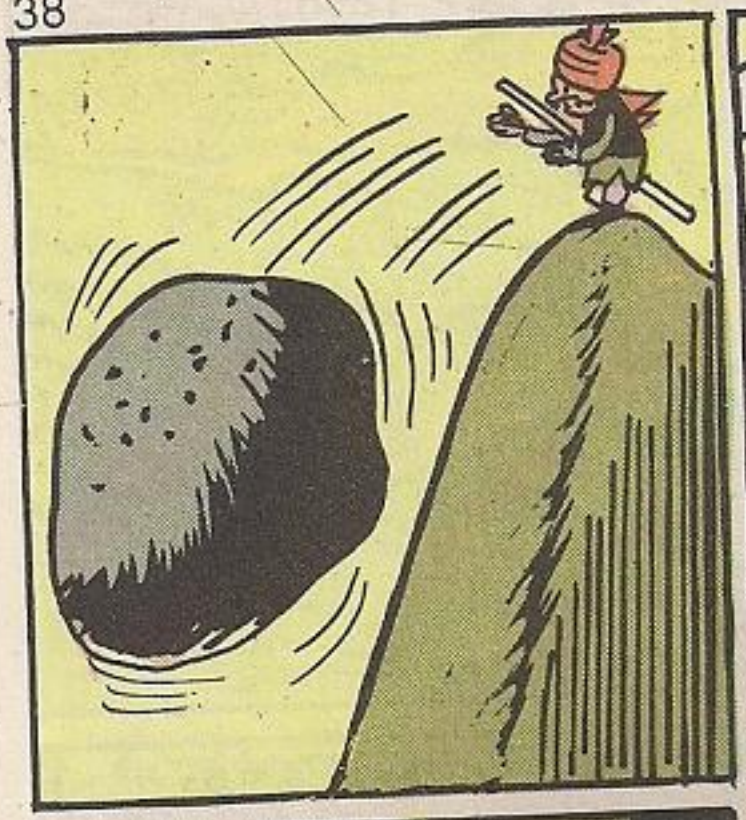

झड़ाप!
2
भारी पत्थर गिरने से तालाब का पानी ऊपर उछला; साबू और मगरमच्छ भी साथ ही उछलते हैं...

दोनों पानी से बाहर धरती पर आ गिरते हैं.
अब सूखी धरती पर मेरी ताकत ज्यादा है और मगरमच्छ की कम.

साबू पूरी ताकत से पैर झटकता है. मगरमच्छ दूर पानी में जा गिरता है.

चाचाजी, धन्यवाद! आपने मेरी जान बचाई.
अरे भई, कभी तुमने मेरी मदद कर दी, कभी मैंने तुम्हारी.

साबू और अब्दुल्ला

साबू ! बड़े थके हुए दिखाई दे रहे हो ?

हां चाचाजी ! एक पहाड़ काट कर आ रहा हूं .

सरकारी इंजीनियर एक जगह रेलवे लाइन बिछा रहे थे . रास्ते में पहाड़ आ गया. उनका काम वहीं रुक गया. मैंने उस पहाड़ को काट कर रास्ता साफ़ कर दिया. काम फिर चालू हो गया.

मेहनत कर के आए हो, लो ! बादाम और पिस्ते वाला हलुआ खा लो. दम आ जाएगा.

हलुआ ? वाह !

चाची! यह तुम्हारा हलुआ ही है जिसने मुझे पृथ्वी पर रोका हुआ है वर्ना मैं कभी का ज्यूपीटर पर चला गया होता *

* साबू ज्यूपीटर का वासी है.

तभी--

साबू कहां है? मैं, हरान का पहलवान अब्दुल्ला, साबू की गर्दन तोड़ने आया हूं.

अरे भई जरा ठहरो. अभी वो नाश्ता कर रहा है. वो डिस्टरबेंस बर्दाश्त नहीं करता.

तुम यह बहाना बना कर उसे मेरे हाथ से बचा नहीं सकते.

अगर ऐसी बात है, तो अब्दुल्ला जाओ! साबू वो बैठा है.

अक्लमंद लोगों ने कहा है कि सब से पहले दुश्मन के हथियार पर कब्जा करो.

बस एक ही वार में काम तमाम!

http://azamworld.blogspot.com

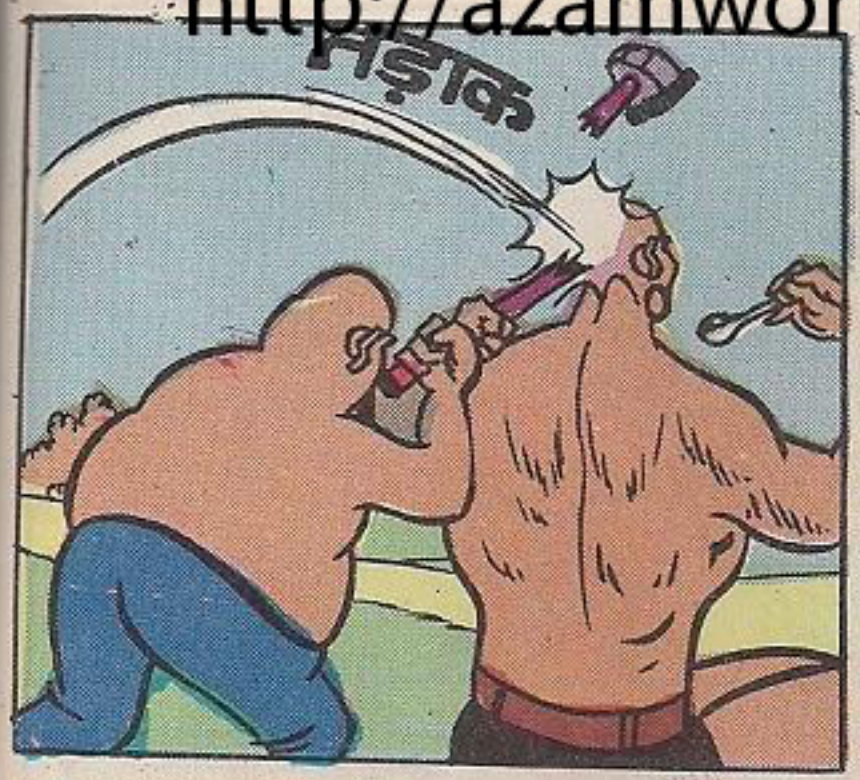

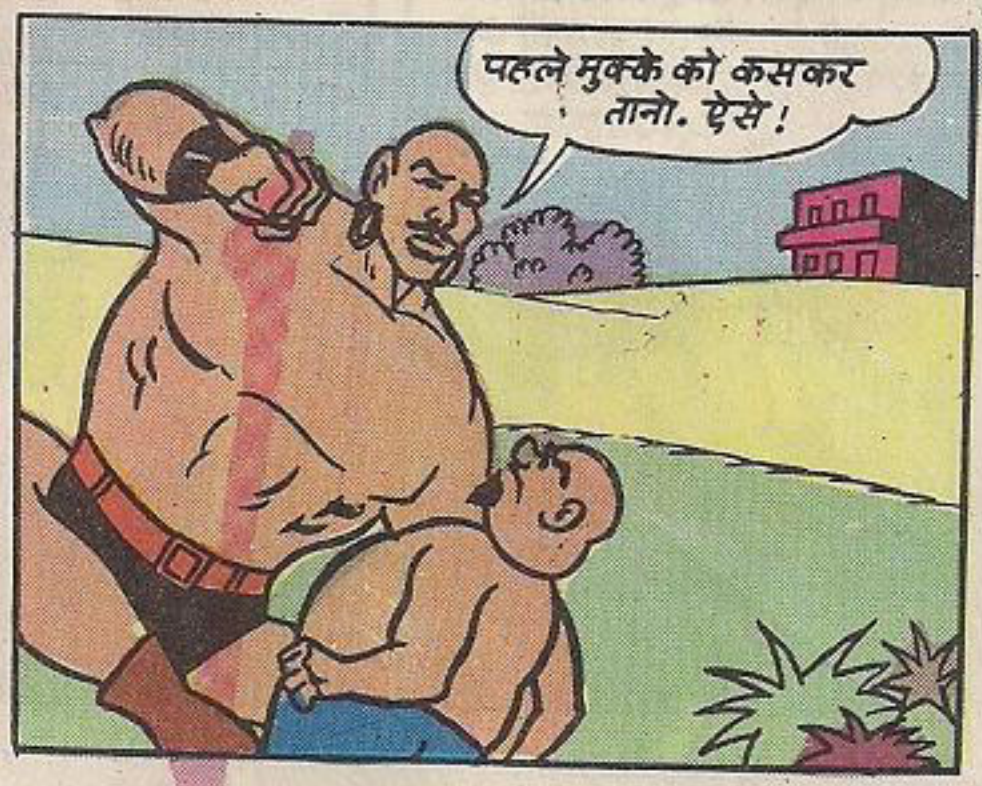

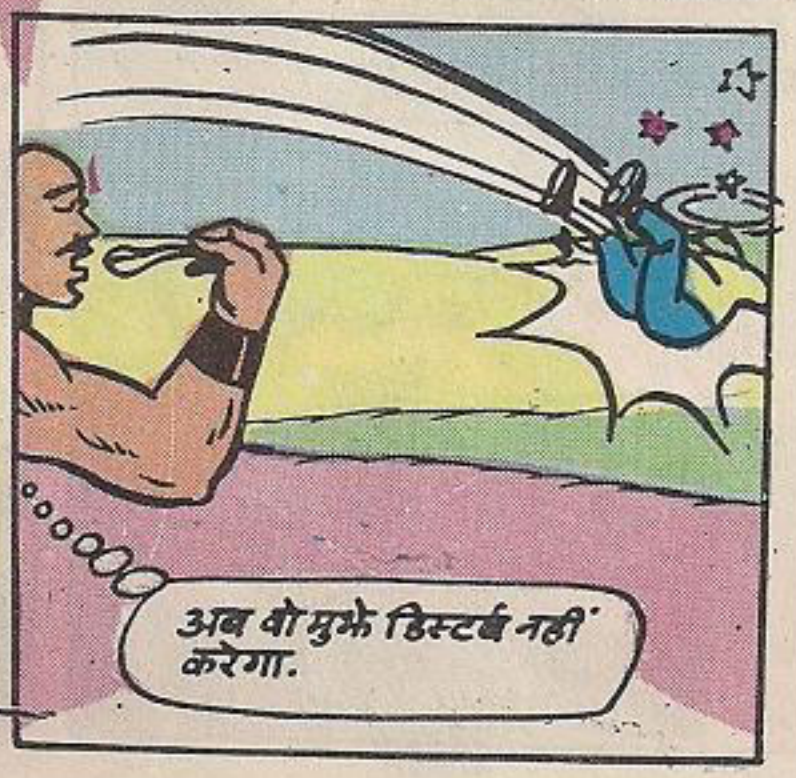

कवि बोर बिजनोरी

डाकू गोबरसिंह.

अरे धमाकासिंह ! यह किस कबूतर को पकड़ लाया?

सरदार ! यह कवि बोर बिजनोरी हैं.

अरे बेवकूफ ! दूसरे डाकू लखपतियों को पकड़कर लाते हैं. और तू एक कवि को ले आया ? जो उलटा हमसे ही कुछ ऐंठ कर ले जाएगा.

सरदार, यह कोई मामूली कवि नहीं हैं. इसकी कविता में जादू का असर हैं.

बोर जी ! कुछ लाइनें हमारे सरदार को सुनाइए.

पेड़ पर कांव कांव करता कौंवा,
बच्चोभागो, आया हौंवा . --

खर्र ! खर्र !

अरे ! ये तो दो लाइनें ही सुनकर सो गए.

खर्र ! खर्र !

दो घंटे बाद नींद खुलने पर---

इतनी बोर कविता मैंने जिन्दगी में कभी नहीं सुनी..

इसीलिए मैं इस कवि को लाया हूं. मेरी योजना यह है कि कविवर बोर अपनी कविताएं चाचा चौधरी और साबू को सुना कर उन्हें सुला दें. उनके सोते ही हम उन्हें गोलियों से भून देंगे.

वाह! अच्छी तरकीब है.

आओ, चलें! कवि बोर, तुम जाकर उन्हें कविताएं सुनाना. हम पास ही छिपे रहेंगे.

साबू! लगता है, कोई आ रहा है?

चाचाजी! कविवर बोरजी इधर आ रहे हैं.

मर गए! उनकी कविताएं सुनना अपनी सहनशक्ति के बाहर है.

चाचाजी! मेरी पहली कविता का शीर्षक है, 'कौवा और हौवा'
" पेड़ पर कांव कांव करता कौवा,
बच्चो भागो, आया हौवा.--
- - - - - - - - - - - - - "

मेरी दूसरी कविता का शीर्षक है, 'चांद और गधा'
"गधा जानकर बड़ा समझदार,
है लालाकी चांद चमकदार..."

चौथी कविता का शीर्षक है,
'गणित:'
"इकहत्तर, बहत्तर, तिहत्तर,
और चौहत्तर, पंजहत्तर, छिहत्तर..

और अंतिम कविता का शीर्षक है,
'एटम बम!'
"हीरोशिमा पर जब गिरा
एटम बम,
तो बाबाजी बोले
बम! बम!..."

अरे! मेरी सारी कविताएं खत्म हो गई और तुम में से एक भी नहीं सोया? तुम्हारी सहन शक्ति मेरी कविताओं से बाजी मार गई. मैं आज से कविता लिखना छोड़ता हूं.

साबू! महाकवि भाग गए. कानों में से रुई निकाल लो ※

※ चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज चलता है.

चाचाजी! कहीं पास से खुर्राटों की आवाज आ रही है.

खर्र! खर्र!

चल कर देखते हैं.

यह तुम्हारे सोने का इंतजार करते करते खुद ही सो गया.

खर्र! खर्र!

डायमण्ड कॉमिक्स
में पढ़िए
चाचा चौधरी

चाचा चौधारी कॉमिक्स

(प्रत्येक मूल्य : 15.00/-)

चाचा चौधरी और 440 वोल्ट
चाचा चौधरी और साउथ ब्लॉक पर हमला
चाचा चौधरी और साबू की ताकत
चाचा चौधरी और कांगो
चाचा चौधरी और जेबकतरी
चाचा चौधरी और विदेशी एजेंट
चाचा चौधरी और गुलामों की बिक्री
चाचा चौधरी और चाइल्ड स्टार बॉबी
चाचा चौधरी और राका का जवाब
चाचा चौधरी और बैट्समैन पलटन
चाचा चौधरी और स्काई डाईवर्स
चाचा चौधरी और राजकुमारी अज़ा
चाचा चौधरी और आज का रॉबिनहुड
चाचा चौधरी और हाईजैकर
चाचा चौधरी और हिममानव
चाचा चौधरी और तिरंगा
चाचा चौधरी और इम्पोर्टेड कार
चाचा चौधरी और सोने की ईंट
चाचा चौधरी और चमत्कारी इत्र
चाचा चौधरी और चमत्कारी मुर्गी
चाचा चौधरी और राका की तबाही
चाचा चौधरी टोकियो में
चाचा चौधरी और देहरादून एक्सप्रेस
चाचा चौधरी और वर्ल्ड कप
चाचा चौधरी और राका का खेल
चाचा चौधरी और राका का हमला
चाचा चौधरी और राका का इंतकाम
चाचा चौधरी और राका की वापसी
चाचा चौधरी और राका से मुठभेड़
चाचा चौधरी और राका का तूफान
चाचा चौधरी और राका का चैलेंज
चाचा चौधरी और राका
चाचा चौधरी और रेम्बो
चाचा चौधरी और जिद्दी कजान
चाचा चौधरी और जहरीला इंसान नोरा
चाचा चौधरी और विचित्र चिड़ियाघर
चाचा चौधरी और ट्रिपल नाइन
चाचा चौधरी और प्रो. शटलकाक
चाचा चौधरी जूपिटर पर
चाचा चौधरी और बनारसी ठग
चाचा चौधरी और चोरों की तलाश
चाचा चौधरी और शेख इब्नबतूता
चाचा चौधरी और एक करोड़ का हीरा
चाचा चौधरी और सम्राट अशोक का खजाना
चाचा चौधरी और अरमान अली-फरमान अली
चाचा चौधरी और हाईवे के लुटेरे
चाचा चौधरी का इंसाफ
चाचा चौधरी और रोबोट
चाचा चौधरी और हीरों की खेती
चाचा चौधरी और साबू पर हमला
चाचा चौधरी और चंपत-संपत
चाचा चौधरी और हकीम जमालगोटा
चाचा चौधरी और पलीते की कमर
चाचा चौधरी और पोपटलाल
चाचा चौधरी और और उड़ने वाली कार
चाचा चौधरी बिल्लू और पिंकी
चाचा चौधरी का धमाका
चाचा चौधरी और साबू की शादी
चाचा चौधरी अमेरिका में
चाचा चौधरी और साबू का बूट
चाचा चौधरी और क्रिकेट मैच
चाचा चौधरी और रहस्यमय चोर
चाचा चौधरी और साबू काले टापू पर
चाचा चौधरी और कराटे सम्राट
चाचा चौधरी और बैंक के लुटेरे
चाचा चौधरी और बोतल का जिन्न
चाचा चौधरी और गब्बर सिंह से टक्कर
चाचा चौधरी और अकबरी खजाना
चाचा चौधरी और साबू का अपहरण
चाचा चौधरी अंतरिक्ष में
चाचा चौधरी और आदमखोर
चाचा चौधरी और साबू का हथौड़ा
चाचा चौधरी और शिकारी लकड़बग्गा सिंह
चाचा चौधरी और मैडम जोरो
चाचा चौधरी और युधिष्ठिर का मुकुट
चाचा चौधरी और हाथी का व्यापार
चाचा चौधरी और सड़क का भूत
चाचा चौधरी और चालाक गोशा
चाचा चौधरी और साबू का वतन
चाचा चौधरी और गाजा
चाचा चौधरी और फिल्म स्टार
चाचा चौधरी और बिंग बेन
चाचा चौधरी और स्काटलैंड यार्ड
चाचा चौधरी बंदरों के देश में
चाचा चौधरी और अफलातून
चाचा चौधरी और पॉप शो

चाचा चौधरी डबल डाइजेस्ट

(प्रत्येक मूल्य : 30.00/-) (200 पृ.)

चाचा चौधरी डबल डाइजेस्ट-1 और 2

चाचा चौधरी डाइजेस्ट

(प्रत्येक मूल्य : 25.00/-)

चाचा चौधरी-1 से 27

डायमण्ड कॉमिक्स

में पढ़िए

बिल्लू

बिल्लू कॉमिक्स

(प्रत्येक मूल्य : 15.00/-)

बिल्लू और ई-मेल
बिल्लू कैच और कोच
बिल्लू और क्विज 5 करोड़ की
बिल्लू और फास्ट बाउलर
बिल्लू और फिल्म की हिरोइन
बिल्लू और कर्नल साहब की दौड़
बिल्लू और हॉकी फाइनल
बिल्लू और स्टंटमैन
बिल्लू की बहादुरी
बिल्लू और चिंपाजी
बिल्लू, एक अच्छा पड़ोसी
बिल्लू और जोज़ी
बिल्लू की तोप
बिल्लू और मि. इंडिया
बिल्लू और बजरंगी पहलवान
बिल्लू फाइव स्टार होटल में
बिल्लू और रावण के सिर
बिल्लू और फिल्म शो
बिल्लू का दोस्त
बिल्लू होस्टल में
बिल्लू का होमवर्क
बिल्लू पिकनिक पर
बिल्लू की सोफ्टी
बिल्लू और हाथी की सैर
बिल्लू का केक
बिल्लू और करोड़ रुपये
बिल्लू और क्रिकेट
बिल्लू और गर्मी की छुट्टियां
बिल्लू की साइकिल
बिल्लू और टैडी बीयर
बिल्लू और सैर सपाटा
बिल्लू और स्कूल
बिल्लू और समोसा
बिल्लू का हंगामा

बिल्लू डबल डाइजेस्ट

(प्रत्येक मूल्य : 30.00/-)

(200 पृ.)

बिल्लु डबल डाइजेस्ट 1 और 2

बिल्लू डाइजेस्ट

(प्रत्येक मूल्य : 25.00/-)

बिल्लू डाईजेस्ट 1 से 14

डायमण्ड कॉमिक्स
में पढ़िए
पिंकी

पिंकी कॉमिक्स

(प्रत्येक मूल्य : 15.00/-)

पिंकी और स्पोर्ट्स कैम्प
पिंकी और टेलीफोन
पिंकी और कलंदर
पिंकी और चश्मा
पिंकी और मिस वर्ल्ड
पिंकी का बगीचा
पिंकी और मिसेज चमचम
पिंकी और अंकल जी
पिंकी के जूते
पिंकी और रुस्तम
पिंकी और विश्व रिकार्ड
पिंकी का जन्मदिन
पिंकी और चाचा सुलेमानी
पिंकी और कुंदनलाल पगड़ीवाला
पिंकी के मम्मी-पापा
पिंकी और जोकर
पिंकी और चैरिटी का टिकट
पिंकी की पूसी
पिंकी और दादा जी का अखबार
पिंकी का पिल्ला
पिंकी और नानी की कहानी
पिंकी और हातिमताई
पिंकी और रंगीन कैमरा
पिंकी और साबुन के बुलबुले
पिंकी और मल्लिका का खिताब
पिंकी और मियां चिल्गोजा
पिंकी और झपट जी की पतंग
पिंकी और बंगाली रसगुल्ले
पिंकी और मुफ्त के बेर
पिंकी और छूमन्तर
पिंकी और टू-इन्-वन
पिंकी की गुड़िया
पिंकी और मिट्ठू
पिंकी और कुटकुट गिलहरी
पिंकी का नया फ्रॉक
पिंकी और तितली
पिंकी-चाकलेट्स टॉफियां
पिंकी की पिकनिक
पिंकी और स्कूल की घंटी
पिंकी की आईसक्रीम
पिंकी की नाव

पिंकी डबल डाइजेस्ट

(प्रत्येक मूल्य : 30.00/-)

(200 पृ.)

पिंकी डबल डाइजेस्ट 1 और 2

पिंकी डाइजेस्ट

(प्रत्येक मूल्य : 25.00/-)

पिंकी 1 से 13

अमर चित्रकथा

अब डायमण्ड कॉमिक्स में

(मूल्य रू 15/-)

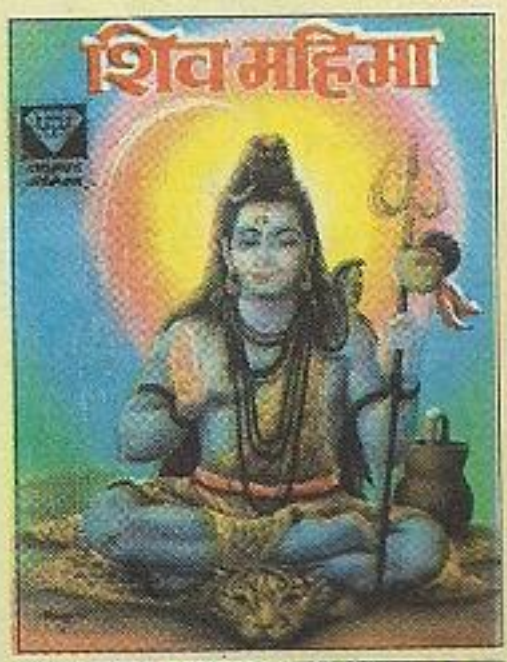

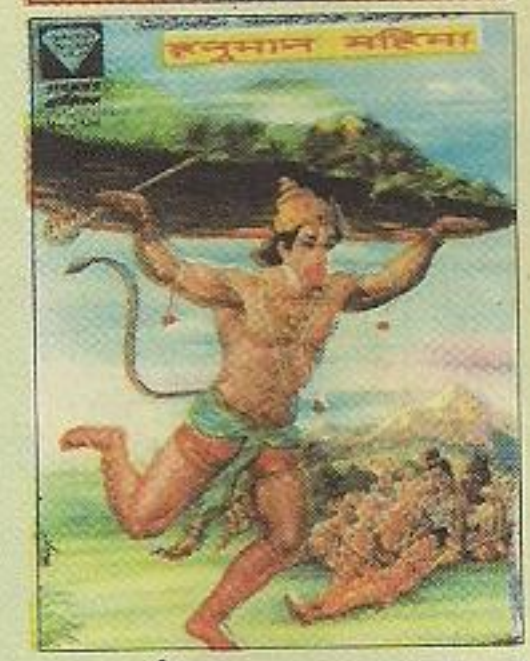

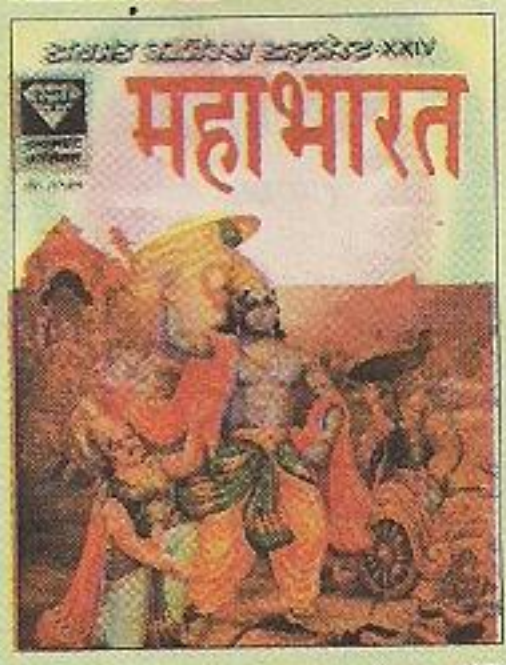

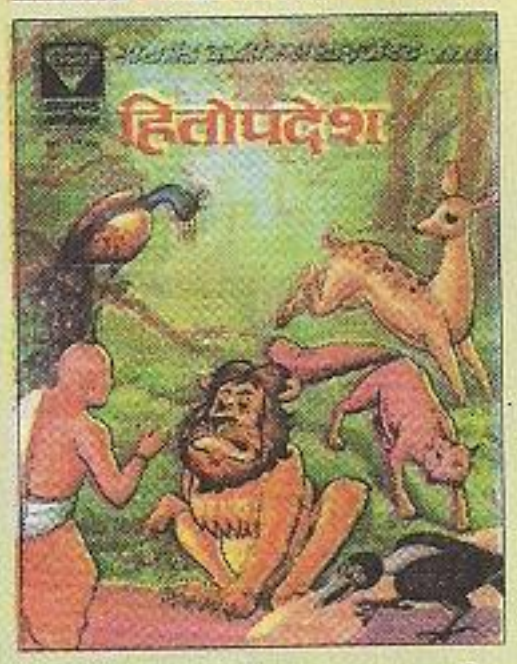

डायमण्ड कॉमिक्स प्रा. लि., 257, दरीबा कलां, दिल्ली-6

अमर चित्रकथा

अब डायमण्ड कॉमिक्स में

(मूल्य रू 15/-)

राम	विश्वामित्र	छत्रसाल	महावीर	गुरु गोविन्द सिंह
कृष्ण	कर्ण	अमरसिंह राठौर	बुद्ध	गुरु तेग बहादुर
राम की कथाएं	द्रौपदी	राजसिंह	बुद्ध की कथाएं	गुरु हर गोविन्द
हनुमान	शकुन्तला	बाबर	रामकृष्ण परमहंस	गुरु अर्जुन देव
गणेश	पांडव पुत्र	हुआयूं	विवेकानन्द	बन्दा बहादुर
गीता	लंका का राजा	अकबर	परशुराम	हरी सिंह नलवा
गंगा	अगस्त्य	जहांगीर	महात्मा गांधी - 1	आम्रपाली
शिव पार्वती	हरिश्चन्द्र	शाहजहां	महात्मा गांधी - 2	उर्वशी
शिव की कथाएं	राजा भोज	शेरशाह	जवाहर लाल नेहरू	बसन्तसेना
विष्णु की कहानियां	विक्रमादित्य	नूरजहां	डा. आम्बेडकर	सावित्री
दुर्गा की कथाएं	विक्रमादित्य का सिंहासन	कबीर	सुभाष चन्द्र बोस	उलूपी
उपनिषदों की कथाएं	हर्ष	सूरदास	चन्द्रशेखर आजाद	दुर्गावती
शची और इन्द्र	चन्द्रगुप्त मौर्य	तुलसीदास	भगत सिंह	पद्मिनी
सूर्य	समुद्रगुप्त	मीराबाई	लोकमान्य तिलक	मालविका
कृष्ण और जरासंध	अशोक	चैतन्य महाप्रभु	लाल बहादुर शास्त्री	रूपमति
साक्षी गोपाल	सिकन्दर और पौरव	प्रह्लाद	जलियां वाला बाग	नलदमयन्ती
कृष्ण रुक्मिणी	शिवाजी	एकनाथ	खुदीराम बोस	सुन्दरी
राम के पूर्वज	शिवाजी की कथाएं	बाल्मीकि	मंगल पांडे	सोने की मुहरों भरी
दशरथ	झांसी की रानी	तुकाराम	राजीव गांधी	थैली
लवकुश	रजिया सुल्ताना	ज्ञानेश्वर	ईश्वरचंद विद्यासागर	पंचतंत्र 1-12
नारद की कथाएं	अजातशत्रु	गुरु रविदास	भारतीय क्रांन्तिकारियों	हितोपदेश 1-5
युधिष्ठिर की कथाएं	पाटलिपुत्र	साईं बाबा	की गाथा	जातक कथाएं 1-10
बलराम की कथाएं	राणा प्रताप	शंकर देव	जगदीश चन्द्र बोस	बीरबल 1-9
भीष्म	पृथ्वीराज चौहान	आदिशंकराचार्य	देशबंधु चितरंजनदास	शेर और कठफोड़वा
अभिमन्यु सुभद्रा	राण सांगा	साधु वासवानी	नरसिंह मेहता	स्यमन्तक मणि
विश्वकर्मा द्रोण	रंजीत सिंह	दुर्गादास	तानसेन	विशालकाय और बौना
महाभारत	रामानुज	आनन्दमठ	कालिदास	गोपाल और ग्वाला
सुदामा	ऐतिहासिक दिल्ली	तेनाली रामन	चाणक्य	मसखरा गोपाल
बाली	कोहेनूर	रमन महर्षि	रविन्द्रनाथ ठाकुर	अंगुलिमाल
अर्जुन की कथाएं	मेगस्थनीज	स्वामी दयानन्द	गुरुनानक़	

डायमण्ड कॉमिक्स प्रा. लि.,

• 257, दरीबा कलां, दिल्ली-6 • ए-22, गोविंद विला, सेक्टर - 63, नोएडा

भारत में सर्वाधिक बिकने वाले कॉमिक्स डायमण्ड कॉमिक्स

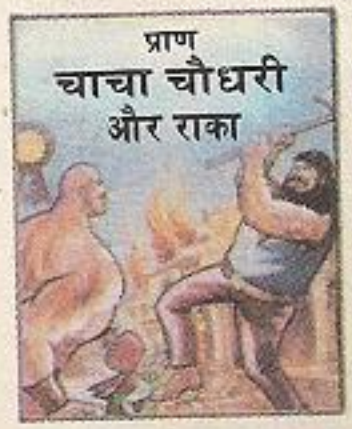

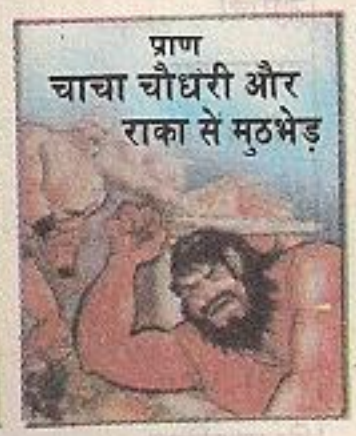

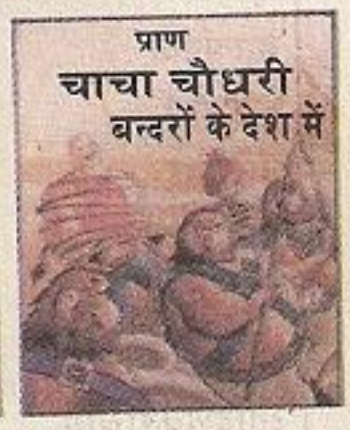

डायमण्ड कॉमिक्स

के गौरवशाली प्रकाशन

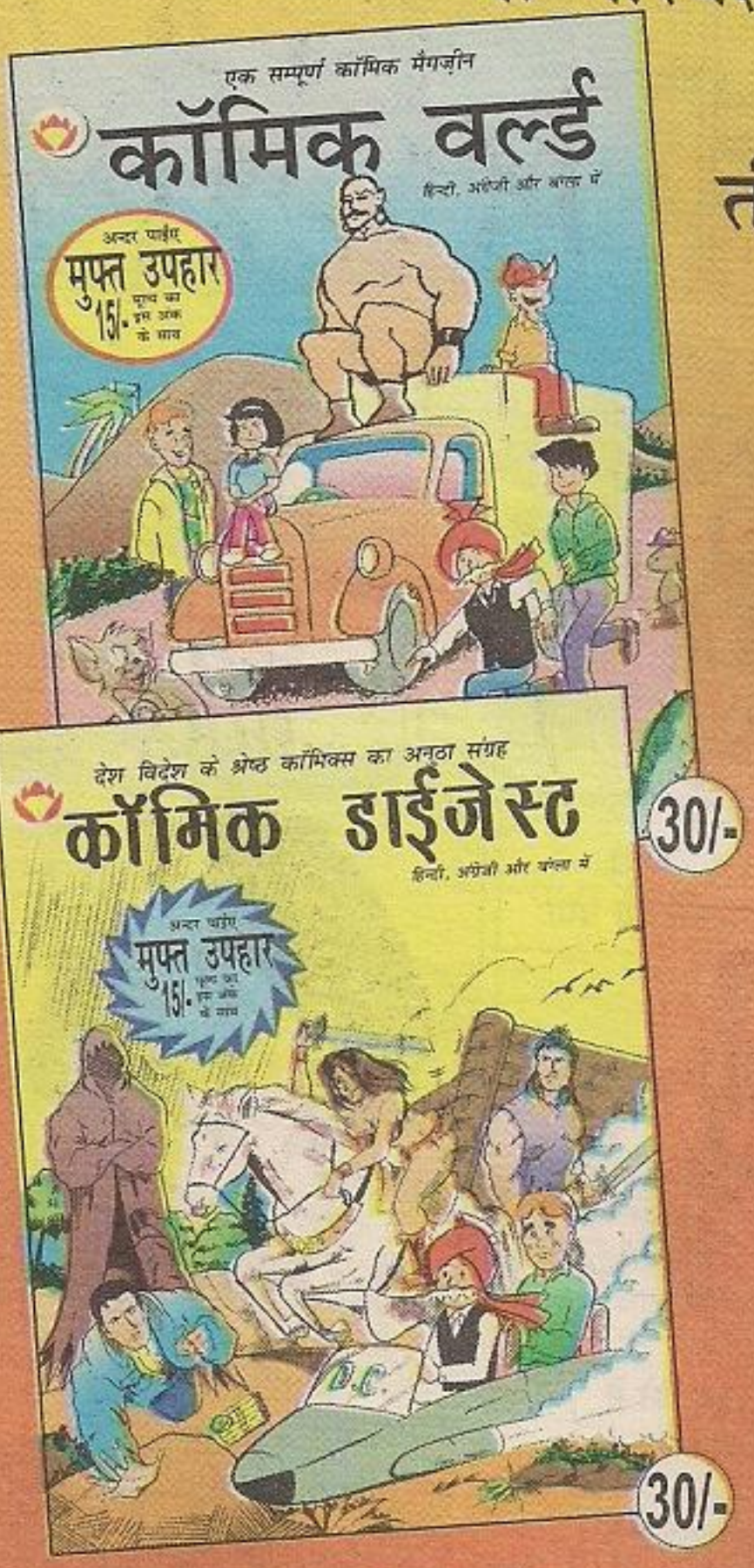

हर माह

हिन्दी, अंग्रेजी और बंग्ला में

तीन मासिक पत्रिकाएं

हर पत्रिका होगी

अपने आप में

रंगीन कॉमिक्स का

अनूठा संकलन

और हर पत्रिका के साथ

15/- का उपहार

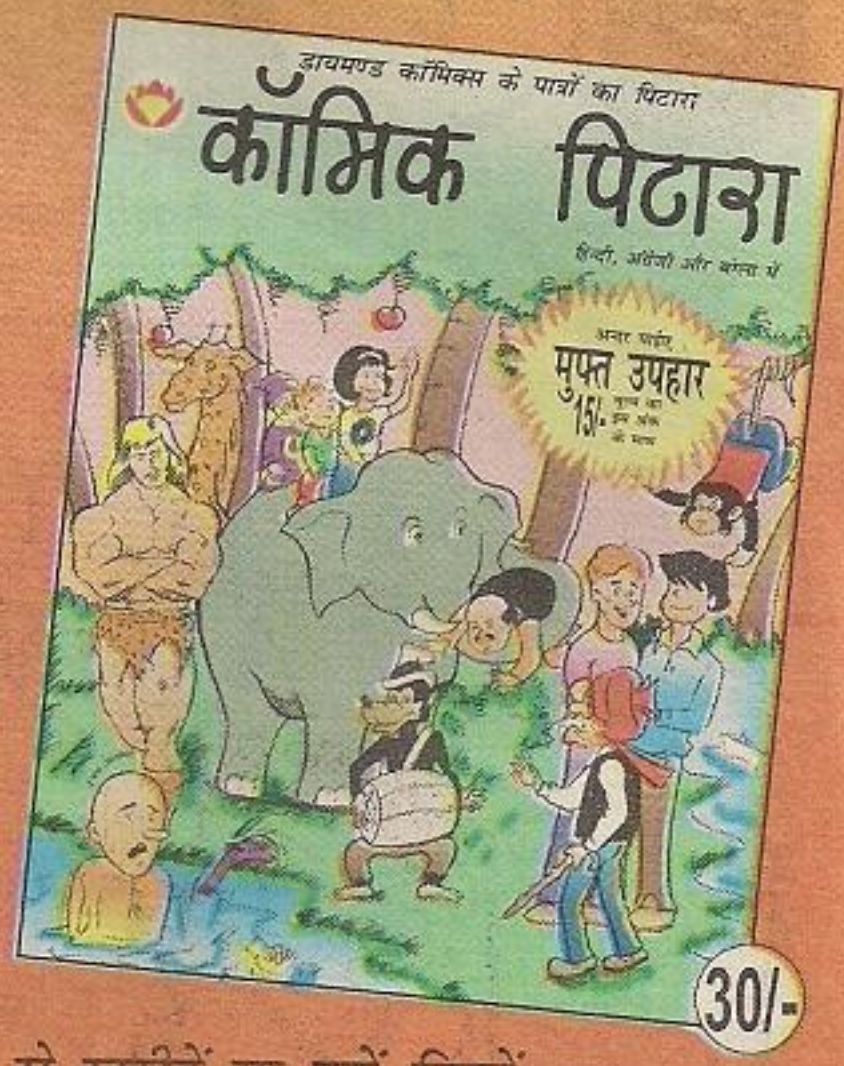

निकट के बुक स्टाल से खरीदें या हमें लिखें

डायमण्ड कॉमिक्स प्रा. लि., 257, दरीबा कलां, दिल्ली-6

Visit us at www.diamondcomic.com

स्वागतआम !

स्वादिष्ट, रसदार आल्फोंसो मैंगो की दुनिया में आपका स्वागत है.

RaSna
JUC-UP
INSTANT

शक्कर मिलाने की जरूरत नहीं

फ्रस्त आम की मस्ती

सिंगल सर्व, 8-ग्लास (200 ग्राम) और 20-ग्लास (500 ग्राम) सैशे में उपलब्ध.

ऑरेन्ज, नींबूपानी, पाइनेपल तथा मौसम्बी फ्लेवर्स में भी उपलब्ध.

Mudra:Rasna:A3/99 Hin.DC

Kawasaki Bajaj

bajaj auto ltd
Value for money, for years.

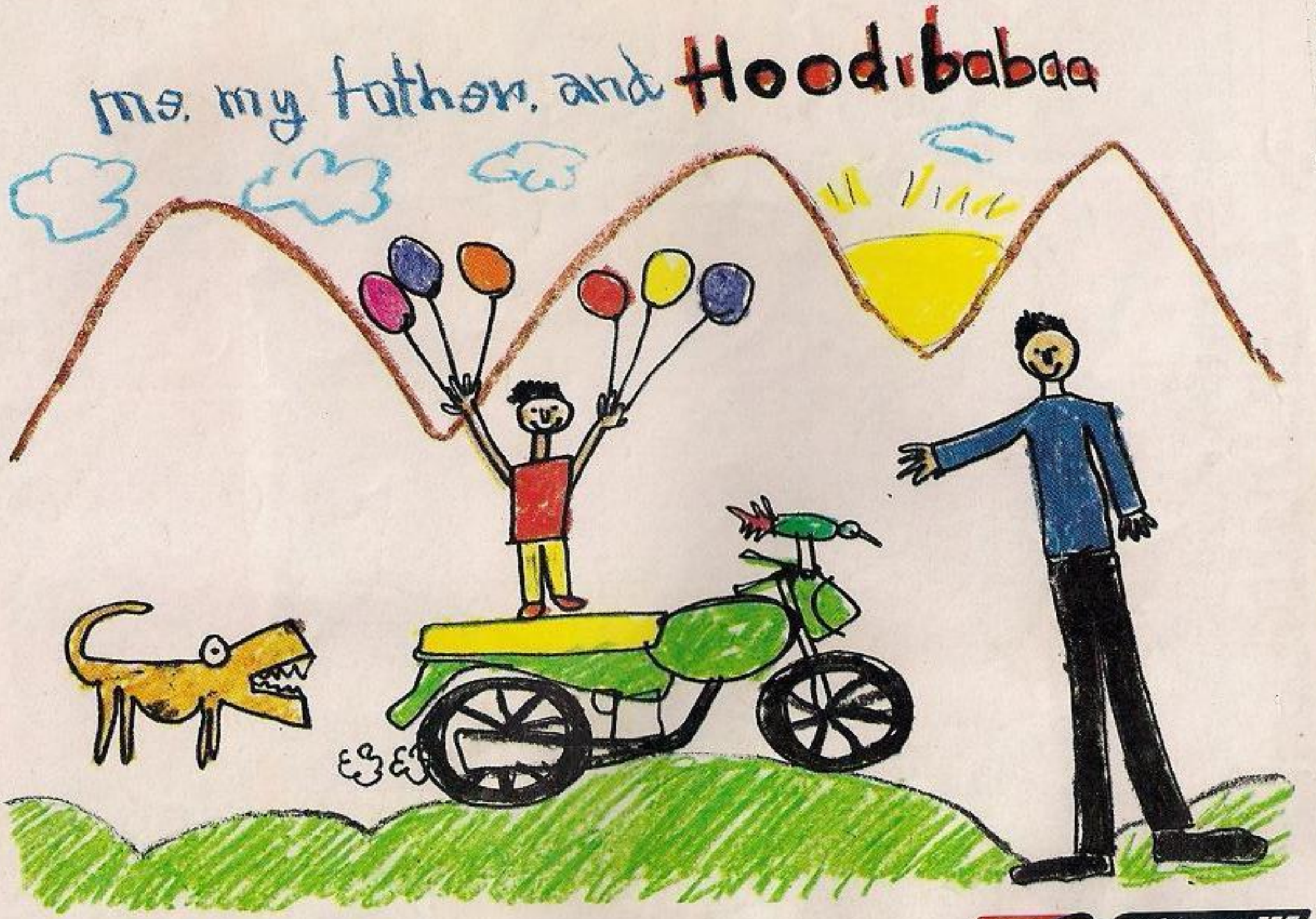

LOWE BAJ CLBER 313 1915

90 kmpl* | 9.5 bhp (7 kW) | Top Speed 100 km/hr | HDS Suspension | Optoprism Halogen Headlamp | Six Exciting Colours

bajaj Caliber 115

*Under standard test conditions

Diamond Comics English----------A. H. W. ----------Pallu Series----------R.N.I. NO. 39424/81

Presented by @sdch_club

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkD8puJ1QKrw